सुविचार

दूसरों से लड़ाई करने से अच्छा है तुम खुद पर जीत हासिल करो

: बुद्ध

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 मई 2022 वर्ष : 5, अंक : 02 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

हरियाणा सरकार कैंसर सहित इन बीमारियों के मरीजों को देगी पेंशन

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने किया एलान

गजब हरियाणा न्यूज

अंबाला, हरियाणा सरकार ने कैंसर के तीसरे और चौथे चरण के मरीजों को पेंशन देगी, इसके साथ ही प्रदेश सरकार थैलेसीमिया और हीमोफिलिया से पीड़ित मरीजों को 2500 रुपये प्रति महीने की पेंशन देगी. इस बात की घोषणा खुद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की ही. सीएम मनोहर लाल खट्टर ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ अंबाला में 72 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अटल कैंसर केयर सेंटर का उद्घाटन करने के बाद यह घोषणा की है. सीएम खट्टर ने कहा कि हर साल लगभग 28,000 कैंसर रोगी हरियाणा आते हैं और इस केंद्र के खुलने से उन्हें सुलभ, सस्ता और व्यापक इलाज मिलेगा.

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने इस उद्घाटन के बाद घोषणा की मैं स्टेज 3 और 4 के कैंसर मरीजों को हरियाणा सरकार द्वारा 2,500 रुपए प्रतिमाह पेंशन दिए जाने की घोषणा करता हूँ. इसके साथ ही थैलेसीमिया और हीमोफीलिया के मरीजों के लिए भी 2,500 रुपये पेंशन को मैं आज मंजूरी देता हूँ. इससे पहले राज्य सरकार पहले से ही एड्स रोगियों को पेंशन देती है. सीएम ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत कैंसर का इलाज मुफ्त किया जाएगा, जिसके तहत इलाज पर एक लाख रुपये तक का खर्च आता है.

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का दावा- राज्य में एक साल के अंदर आया 28 हजार करोड़ का निवेश

इस मौके पर सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह केवल कैंसर के अस्पताल की बिल्डिंग नहीं है, विश्वास है उन तमाम कैंसर से लड़ते योद्धाओं के लिए कि अपनी इस लड़ाई में वह अकेले नहीं हैं. हरियाणा वासियों को गुणवत्तापूर्ण व सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं देना हमारी प्राथमिक्ता है. वहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उद्घाटन करने के बाद कहा कि इस अस्पताल से ना केवल हरियाणा ही बल्कि पड़ोसी राज्य पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आदि के कैंसर रोगियों को भी सस्ता और विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा.

नाटक मैं फिर आंउगा से हुआ नाट्य मेला का समापन

कलाकारों ने भगत सिंह के जीवन पर डाला प्रकाश

हरियाणा कला परिषद का आठ सप्ताह का नाट्य मेला हुआ सम्पन्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, हरियाणा कला परिषद द्वारा आजादी का अमृतमहोत्सव के दौरान विश्व रंगमंच दिवस से प्रारम्भ किए गए नाट्य मेला का नाटक मैं फिर आंउगा के साथ समापन किया गया। कला मंच अम्बाला के कलाकारों द्वारा देवेंद्र दमन के लिखे और राहुल शर्मा के निर्देशन में भगत सिंह के जेल में बिताए आखिरी दिनों को नाटक के रुप में प्रस्तुत कर लोगों तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन, मीडिया प्रभारी विकास शर्मा, कार्यालय प्रभारी धर्मपाल, मनीष डोगरा, रजनीश भनौट, रमेश सुखीजा, शिवकुमार आदि उपस्थित रहे। 27 मार्च से प्रारम्भ हुए आठ सप्ताह के नाट्य मेला का शुभारम्भ भिवानी के कलाकारों द्वारा रामसजीवन की प्रेमकथा से किया गया था। जिसके बाद चरणदास चोर, कोई दुख ना हो तो बकरी खरीद लो, दुलारी बाई, तीन बंदर जैसे नाटकों ने नाट्य मेला में गुदगुदाने का काम किया, वहीं जब मैं सिर्फ एक औरत होती हूं, मिट्टी दा बावा जैसे नाटकों ने विभाजन की त्रासदी को दिखाया। दो कहानियां, लुक्का छुप्पी, खामोश, लाइसेंस और चीफ की दावत जैसे नाटकों ने सामाजिक परिस्थितियों को बयां करते हुए समाज को आईना दिखाने का प्रयास किया। इसी कड़ी में अंतिम नाटक मैं फिर आंउगा ने भगत सिंह के जेल में बिताए अंतिम दिनों को दिखाते हुए आजादी के अमृतमहोत्सव को सार्थक किया। नाटक मैं फिर आऊंगा शहादत से पहले शहीद भगत सिंह द्वारा जेल में बिताए गए अंतिम दिनों को याद करवाता है ।जेलर द्वारा कई बार रहम की अपील करने के लिए कहने पर भी किस प्रकार शहीद भगत सिंह अपने फैसले पर अडिग रहे। मां का मोह भी उन्हें अपने फैसले से हिला ना सका और वह हंसते हंसते देश पर कुर्बान हो गए। इन्हीं सभी घटनाओं को मंच पर प्रदर्शित करते हुए नाटक में दिखाया गया कि जेल में भगत सिंह और उनके साथियों को कितने ही कष्ट सहने पड़े हों, पर उन्होंने जीवन के प्रति उल्लास और मस्ती का भाव नहीं छोड़ा। जेल में वे मस्ती से देशभक्ति के गीत गाते हुए नजर आते थे और इंकलाब जिन्दाबाद के नारों से जेल गूंज उठती थी। बोग्गा सिंह जैसे सफाई कर्मचारी के साथ भगत सिंह का इतना लगाव हो गया था कि भगत सिंह की फांसी की खबर ने बोग्गा सिंह को अंदर से तोड़ दिया था। नाटक में बोग्गा सिंह का किरदार अंकुर कश्यप ने निभाया, वहीं भगत सिंह दीपक विज रहे। अंत में नाटक निर्देशक राहुल शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

नप की चेयरपर्सन की दावेदार तनुजा ने किया लायलपुर बस्ती का दौरा, जानी कॉलोनी वासियों की समस्याएं

कॉलोनी के लोगों को दिया आश्वासन, अगर चेयरपर्सन बनने का दिया मौका, वार्ड का होगा चौमुखी विकास

लायलपुर बस्ती के निवासियों ने तनुजा के सामने पानी की निकासी, टूटी-फूटी सड़कों का रोया दुखड़ा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र ।नगर परिषद के चेयर पर्सन की दावेदार तनुजा ने लायलपुर बस्ती का दौरा कर वहां के निवासियों की समस्याओं को जाना। इस दौरान तनुजा ने लायलपुर बस्ती के लोगों की समस्याएं सुनने के बाद उन्हें विश्वास दिलाया कि अगर उन्हें शहर वासी चेयरपर्सन बनाने का मौका देंगे तो वे शहर के सभी वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से हल किया जाएगा। वार्ड के लोगों को कोई समस्या आने नहीं दी जाएगी ।

उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से शहर के वार्डो की स्थिति बदहाल है ।जहां-जहां भी उन्होंने शहर के वार्डों का दौरा किया है वहां के निवासियों ने समस्याएं हल ना होने का दुखड़ा रोते हुए बताया है कि उन्हें मूलभूत सुविधाएं भी मुहैया नहीं हो रही ।वार्ड के लोगों का आरोप है की विकास कार्यों में भी भेदभाव किया जाता है ।

तनूजा ने लोगों को विश्वास दिलाया कि विकास कार्यों मे कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा , बल्कि विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे ।उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि उन्हें कहीं जाना नहीं होगा , बल्कि वे उनके वार्ड में खुद आकर समस्याएं दूर करने का काम करेंगी ।बशर्ते कि उन्हें एक बार नगर परिषद का चेयरपर्सन बनने का मौका देना होगा ।उन्होंने कहा कि आज तक किसी भी नेता ने शहर के वार्ड की समस्याओं को हल करने में कोई रुचि नहीं दिखाई ।जिसके चलते सभी वार्ड की समस्याएं मुखर हो रही हे ।

लायलपुर बस्ती के लोगों और महिलाओं ने तनुजा के समक्ष पानी की निकासी, टूटी फूटी सड़कें ,और पीने के पानी की समस्या सहित अनेक समस्याएं रखी ।जिस पर तनुजा ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उन्हें कोई परेशानी नहीं आने दी आने दी जाएगी। बल्कि उनकी इन समस्याओं को वे नगर परिषद व प्रशासन के अधिकारियों के समक्ष उठाने का काम करेंगी ।

इस मौके पर इनेलो के वरिष्ठ कार्यकर्ता धर्मवीर कश्यप ने लोगों की समस्याओं को जाना और उन्हें विश्वास दिलाया कि अगर उन्होंने तनुजा को एक बार चेयरपर्सन बनाने का मौका दिय दिया तो उन्हें कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी ।बल्कि उनकी सारी समस्याएं घर बैठे दूर होंगी। उन्होंने कॉलोनी के लोगों को विश्वास दिलाया कि इनेलो पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सभी लोगों को अपने साथ लेकर चलती है और समान रूप से विकास कार्य करवाने मैं सक्षम है ।ऐसे में उनका दायित्व बनता है कि वे इनेलो का

साथ दें ।कॉलोनी के निवासियों ने तनुजा को समर्थन देने का वादा किया ।

ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत चुनाव की सरगर्मियां तेज

चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशियों ने बनानी शुरू की रणनीति

प्रदेश सरकार द्वारा उपायुक्तों को वार्ड बंदी करने के आदेश के बाद से चुनावी सरगर्मियां हुई तेज

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। पंचायत विभाग द्वारा उपायुक्तों को पत्र जारी कर वार्ड बंदी किए जाने के बाद से पंचायत चुनाव की रणभेरी बज गई है ।उपायुक्तों को कहा गया है कि वे अपने अपने जिले के अधीन सभी पंचायतों ,पंचायत समितियों, जिला परिषद के वार्ड बंदी का कार्य करना सुनिश्चित करें ।सरकार की ओर से यह फरमान जारी होने के बाद अब निश्चित है कि जल्द ही प्रदेश में पंचायत चुनाव होंगे।

जैसे ही सरकार की ओर से वार्ड बंदी किए जाने के आदेश लागू हुए ।उसके बाद से चुनाव की सरगर्मियां भी तेज हो गई है ।पंचायत का चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशी सर गरम हो गए हैं ।और उन्होंने चुनाव जीतने के लिए चुनावी रणनीति भी बनाई बनानी शुरू कर दी है ।प्रत्याशी अपने समर्थकों की बैठकें बुला रहे हैं ।और इतना ही नहीं प्रत्याशी यह जानने का भी प्रयास कर रहे हैं कि उनके सामने कौन अमुक प्रत्याशी होगा। और ऐसे दिशा में उनकी क्या रणनीति होगी ।इसको लेकर भी माथा पच्ची की जा रही है।

दूसरी ओर गांव की चौपालों पर भी राजनीति की चौपट शुरू हो गई है । ग्रामीण इलाकों में देखा जा रहा है कि ग्रामीण चुनाव को लेकर चर्चाएं कर रहे हैं। और अभी से ही हार जीत की बाजी लगनी शुरू हो गई है। बता दें कि प्रदेश में पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हुए 1 साल से ऊपर हो गया है। पंचायत चुनाव का मामला न्यायालय में होने के चलते पंचायत चुनाव में देरी हो रही थी ।पिछले सप्ताह ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को पंचायत चुनाव कराने की अनुमति दे दी है। पंचायत चुनाव की अनुमति मिलने के बाद से ही पंचायत चुनाव की सरगर्मियां शुरू हो गई हैं ।

बिछने लगी चुनावी शतरंज

जैसे ही पंचायत चुनाव शीघ्र होने की बातें सामने आई ।ऐसे मे चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशियों ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है ।चुनाव लड़ने वाले इच्छुक प्रत्याशियों का कहना है कि पिछले 1 साल से पंचायत चुनाव होने की बाट देख रहे थे। और बीच-बीच में उन्होंने चुनाव की तैयारिया भी शुरू की हुई थी ।ऐसे में उन्हें बार-बार-चुनाव की तैयारियों करने के कारण अधिक खर्चा उठाना पड़ रहा था। ग्रामीण सुरेंद्र सैनी ने बताया की चुनाव ना होने के कारण उनकी उम्मीदें मंद पड़

गई थी ।लेकिन अब दोबारा से प्रदेश सरकार ने पंचायत चुनाव कराने की तैयारियां शुरू की हैं ।ऐसे में उन्होंने अब दोबारा से फिर चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है।

बता दें कि प्रदेश में 6226 पंचायतें हैं ।और पंचों की संख्या 620 46 है ।और पंचायत समितियों की संख्या 3086 है ।जबकि जिला परिषद की कुल संख्या प्रदेश में 411 हैं ।ऐसे में चुनाव आयोग के पास प्रदेश की सभी पंचायतों पंचायत समितियों और जिला परिषद के चुनाव कराने की जिम्मेवारी है ।

जैसी नीयत, वैसी ही बरकत

स्वयं के प्रति, परिवार के प्रति, समाज के प्रति नीयत में बदलाव करके ही सम्मान अर्जित किया जा सकता है, क्योंकि इतिहास बनाने में, बदलने में समय लग सकता है, लेकिन नीयत को नियति में बदलते देर नहीं लगती। नेक नीयत जहां दलदल से निकालकर समृद्धि प्रदान करती है। वहीं बदनीयत सोने की खान को भी दलदल में तब्दील कर देती है।

जीवन जीने और सफलता के पैमाने समय-समय पर भले ही बदलते रहते हैं, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जो सनातन काल से चली आई हैं और आज भी नहीं बदलीं। अक्सर हम लोगों के मुख से गाहे-बगाहे सुनते हुए बड़े हुए हैं कि जैसी नीयत वैसी बरकत। यह कहावत त्रेता युग से लेकर आज कलयुग में भी सटीक बैठती है। यदि हम एक ऐसा समर्थवान बनना चाहते हैं जिसके प्रत्येक कर्म में समाज या लोक हित निहित हो, तो हम में सफल होने और सफल बने रहने के गुण स्वमेव विकसित होते जाएंगे। त्रेता युग का जिक्र इसलिए क्योंकि जब नीयत बद्नीयत में बदली तो 70 पुत्रों और 72 पौत्रों वाले स्वर्ण की लंका का धीश, वेद-पुराणों के ज्ञाता लंकेश रावण का भी सर्वनाश हो गया था। वास्तव में पराया धन और परायी नारी पर कुदृष्टि डालना जितना आसान है, इसका परिणाम उतना ही भयावह है। शायद इसीलिए तो भगवान भी धरती पर जब-जब अवतरित हुए हैं इंसान को त्याग और तपस्या का ही पाठ पढ़ाया है।

भगवान राम ने अयोध्या का राज संभालने से पहले ना केवल समस्त सुखों का त्याग करते हुए वनवास का निर्णय लिया, बल्कि इस दौरान तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए प्रजा के सुख-दुख को नजदीक से जाना। धरती के विभिन्न भू-भाग का भ्रमण कर ऋषि-मुनियों से ज्ञान अर्जित किया और रावण जैसे अनेक आतताई का अंत कर, अपनी शक्तियों का प्रदर्शन कर बताया कि राजा वही है जो अपने सामर्थ्य का प्रयोग समाज हित में करे। वास्तव में ईश्वर व्यक्ति को अपार शक्तियां देता ही इसलिए है कि वह समाज हित में इसका प्रयोग कर खुद के साथ-साथ मानवता के लिए उच्च आदर्शों का निर्माण करे। त्याग और तपस्या से लबरेज भगवान राम जब राजा रामचन्द्र बने तो उन्होंने राजा के जो मानक गढ़े वह आज भी प्रसांगिक है। जिस राम राज्य की स्थापना राजा रामचन्द्र ने की, उसे मूर्त रूप देने की कल्पना आज भी भारत वर्ष करता है।

इसी प्रकार द्वापर युग में भगवान वसुदेव ने भी यही बताया कि सामर्थ का समाज के लिए प्रयोग ही धर्म है। कौरव सेना भीष्म, द्रोण, कर्ण जैसे अजय महारथियों से पूर्ण थी, युद्ध में जिनका सामना करने से स्वयं देवता भी कतराते थे, लेकिन जब कुरुक्षेत्र में कौरव-पांडव युद्ध हुआ तो वही विजयी हुए जो समाज हित के लिए लड़े। कुरुक्षेत्र युद्ध में भगवान ने स्पष्ट संदेश दिया कि आप यदि अपने संपूर्ण सामर्थ्य का इस्तेमाल समाज हित में करने की बजाय किसी एक के अहंकार को तुष्ट करने के लिए करते हैं तो आप भले ही अजेय क्यो ना हो, पतन सुनिश्चित है। दुनिया जानती है कि भीष्म, द्रोण, कर्ण ने अपनी समस्त शक्तियों का इस्तेमाल दुष्ट और अधर्मी दुर्योधन के लिए किया।

यदि समाज हित में शक्तियों का उपयोग किया होता तो शायद कुरुक्षेत्र में महाभारत युद्ध ही नहीं होता, अनगिनत योद्धाओं, सैनिकों को अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। श्रीकृष्ण ने तो यहां तक कहा कि अधर्म के पक्ष में खड़ा हर व्यक्ति अधर्मी है और उसे हराने के लिए यदि अधर्म का सहारा लेना पड़े तो भी वह धर्म बन जाता है। यही बात कलयुग में भी लागू होती है। अक्सर हमारे आसपास ऐसी घटनायें दृष्टिगोचर होती हैं और मुख से अनायास ही निकल पड़ता है जैसी नीयत वैसी बरकत। इतिहास गवाह है द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बने इटली के फासीवादी शासक मुसोलनी जब राजा बना तो प्रजा ने मिलान की सड़कें फूलों से सजाई, महिलाएं उस पर फूलों की वर्षा कर रही थीं, इस उम्मीद में कि वे एक महान शासक होंगे। लेकिन राजा बनकर मुसोलनी अहंकारी हो गया और प्रजा की उम्मीदों के विपरीत सिर्फ यातनाएं दीं। नतीजा...वही मुसोलनी जब मृत्यु को प्राप्त हुआ तो मिलान की सड़कों पर महिलाओं ने उसके शव को नफरत भरी निगाह से ना केवल देखा, बल्कि उस पर थूका भी, क्योंकि मुसोलनी की नीयत इटली को बरकत देने की बजाय युद्ध में झोंककर बर्बाद करने की थी।

वैसे भी नीयत और नियती यानी भाग्य में ज्यादा फर्क नहीं है। जैसी हमारी सोच होगी, वैसा ही भाग्य बनेगा। नीयत यदि नकारात्मक है तो अच्छा भाग्य भी प्रतिकूल परिणाम देता है। इराक के शासक सद्दाम हुसैन, लीबिया का तानाशाह गद्दाफी इसके उदाहरण हैं, जो भाग्यशाली तो हुए, लेकिन सत्ता के मद में चूर होकर न केवल अपनी कीर्ति धूमिल की, बल्कि खुद के साथ-साथ परिवार को भी नष्ट कर लिया। इसी पर रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास खिलते हैं, जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करें सब कोई। वास्तव में राम की कृपा उसी पर होती है जो कृपा के पात्र होता है। राम की कृपा पात्र व्यक्ति कभी भी समाज और मानवता की अवहेलना नहीं करता। उसकी नीयत में भलाई का बीज अंकुरित होता है, जो बरकत रूपी वृक्ष का रूप लेता है और उस वृक्ष के नीचे सैकड़ा, हजारों की संख्या में लोग अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। वास्तव में समाज के सहयोग से आगे बढ़ने वाला चाहे वह राजा हो, नेता हो, प्रशासक हो या कारोबारी हो, तभी तक फलता-फूलता है जब तक उसकी नीयत में अपनी प्रजा, जनता या कर्मचारियों को लेकर खोट नहीं आता और जैसी ही नीयत में खोट आता है व्यक्ति अंहकारी होकर अपने व्यक्तित्व की सारी खूबियां नष्ट कर पतन को प्राप्त होता है।

राजनीति में ही देखें तो कई ऐसे नेता आए हैं, जो अजीवन चुनाव नहीं हारे और मरणोपरांत भी जनता की आंखों के तारे बने रहे। वहीं कई ऐसे नेता भी हमने देखे हैं, जो एक बार विधायक या सांसद तो बन गए, लेकिन अपनी बद्नीयत के चलते दोबारा पार्षद तक का चुनाव नहीं जीत पाए। कारोबारियों की बात करें तो धीरुभाई अंबानी और रतन टाटा ने अपनी नीयत समाज प्रति सकारात्मक रखते हुए मेहनत और तप किया। उन्हें समाज का सहयोग भी मिला। दोनों ने दुनिया में टाटा और रिलायंस को पहुंचाया। धीरुभाई के कारोबार को बंटवारा दो बेटों मुकेश और अनिल अंबानी में हुआ। यहां दोनों की नीयत का जिक्र जरूरी है। एक बार मुकेश अंबानी की बेटी ईशा इंग्लैंड में शिक्षा प्राप्त करते हुए अपने दोस्त से बोलीं थी कि मेरे पास जेट है, कहीं भी आने-जाने के लिए मुझे टिकट लेने की जरूरत नहीं पड़ती। यह बात जब मुकेश अंबानी को पता चली तो उन्होंने अपनी बेटी को साल भर जेट से यात्रा करने पर पाबंदी लगा दी।

यह मुकेश अंबानी की सहजता और सरलता के साथ परिवार के प्रति उनकी नीयत को दर्शाता है। इतना ही नहीं एरिक्शन कंपनी का 500 करोड़ रुपए कर्ज चुकाने में विफल रहने के कारण जब अनिल अंबानी को जेल जाने की नौबत आई तो मुकेश ने एरिक्शन का कर्जा चुकाकर अनिल को जेल जाने से बचाया। यह भाई के प्रति मुकेश की नीयत का उदाहरण है। अब अनिल अंबानी की बात करते हैं। प्रदेशवासियों को याद होगा लगभग 12-13 साल पहले अनिल अंबानी ने भोपाल में हिंदी तकनीकी विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा करते हुए भूमि पूजन भी किया था, अखबारों में घोषणा से उन्होंने खूब सुर्खियां भी बटोरी, लेकिन यथार्थ...।

जरनैल सिंह

पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र ने जिला पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ की अपराध गोष्ठी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र डॉ. अंशु सिंगला ने अपने कार्यालय में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अपराध गोष्ठी की। उन्होंने जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त आदेश दिए कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में आरोपी को शीघ्र अति शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और अभियोगों का शीघ्र निपटारा किया जाए। महिला विरुद्ध होने वाले अपराध की रोकथाम के लिए स्कूल व कॉलेजों के आसपास ज्यादा से ज्यादा टीम की गश्त की जाए। स्कूल एवं कॉलेजों में छात्राओं तथा ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को दुर्गा शक्ति एप्प, महिलाओं के अधिकारों व साईबर अपराधों के बारे जागृत किया जाए। यह जानकारी पुलिस प्रवक्ता रोशन लाल ने दी ।

उन्होंने बताया कि अपराध गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदया डॉ0 अंशु सिंगला ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आदेश देते हुए कहा कि जब भी कोई परिवादी थाना/चौंकी में अपनी परिवाद लेकर आता है तो उसके साथ नम्रतापूर्वक व्यवहार किया जाए। थाना/चौंकी में लंबित परिवादों को समय पर निपटाया जाए। प्रबंधक थाना/चौकी इंचार्ज अपने-अपने क्षेत्र में चोरी की वारदातों को रोकने के लिए सायंकालीन गश्त व रात्रि गश्त प्रभावी ढंग से करें। अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों की ज्यादा से ज्यादा हिस्ट्रीशीट खोले ताकि आते-जाते पुलिस ऐसे लोगों पर नजर रख सके तथा समाज में पता चले की अपराध करने वालों पर किस प्रकार से नजर रखी जाती है। दो गुटों के मध्य पुरानी किसी रंजिश के कारण चल रहे विवादों को शांति समिति की सहायता लेकर निपटाया जाए। अपराधिक प्रवृति के लोगों को हर हाल में सलाखों के पीछे डालने का काम करें। पुलिस का मकशद आपराधियों को सजा दिलाना है। थाना में आने वाला व्यक्ति यह उम्मीद लेकर आता है की उसको न्याय मिलेगा उसकी पूरी समस्या को सुने और उसे न्याय देने का प्रयास किया जाए। इससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा होगा।

पुलिस अधीक्षक महोदया ने अपराध बैठक में जिले के सभी पर्यवेक्षक अधिकारी और थाना प्रभारियों के साथ चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में चोरी, वाहन चोरी, आर्म्स एक्ट अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, एक्साइज एक्ट, जुआ/सट्टा व धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के अपराधियों को पकड़ कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। पुलिस अधीक्षक महोदया ने विशेष तौर से विदेश भेजने के नाम पर धोखाधडी करने वालों पर नकेल लगाने का प्रयास किया जाए। उन्होंने अपने सभी प्रबन्धक थाना को विशेष हिदायत दी कि विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वालों को किसी भी सूरत में ना बख्शा जाए। यह ठग लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनके खून पसीने की कमाई को हडप जाते है तथा कई बार तो नवयुवकों की जान का भी खतरा बन जाता है। पीओ, बेल जंपर, मोस्टवाटेड अपराधियों की सम्पति जब्त करवाने पर भी जोर दिया जाए। नशीली वस्तुओं के धंधे में संलिप्त लोगों की सम्पति को ज्यादा से ज्यादा जब्त किया जाए तथा पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया जाए। सीएम विंडो,हर समय पोर्टल पर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटान किया जाए। अपने थाना क्षेत्र में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाया जाए । धर्मनगरी में अवैध शराब की बिक्री बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी ।

डायल-112 सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है इसलिए इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाया जाए। यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले विशेषकर बिना नम्बर प्लेट के वाहनों के ज्यादा से ज्यादा चालान करने हैं।

Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311
हिन्दी समाचार पत्र
गजब हरियाणा
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

केंद्र सरकार ने 2021-22 में खाद्य सब्सिडी के लिए जारी किया 294718 करोड़ रुपए

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। पूर्व केंद्रीय जल शक्ति व् सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री एवं सांसद रत्न लाल कटारिया ने बताया कि वर्ष 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत खरीद कार्यों और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 (एनएफएसए) के अंतर्गत खाद्यान्न के निबार्ध वितरण के लिए खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने 292419.11 करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान के मुकाबले डीसीपी और गैर-डीसीपी दोनो गतिविधियों के तहत भारतीय खाद्य निगम तथा राज्य सरकारों को खाद्य सब्सिडी के लिए 2,94,718 करोड़ रुपए जारी किए गए है।

रतन लाल कटारिया ने बताया कि 2020-21 के दौरान जारी खाद्य सब्सिडी का लगभग 140 फीसदी और 2019-20 के दौरान उपलब्ध कराई गई खाद्य सब्सिडी का करीब 267 फीसदी है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 3,04,889 करोड़ रुपए के शुद्ध आवंटन के मुकाबले 3,04,879 करोड़ रुपए खर्च करके 99 फीसदी व्यय हासिल किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि सरकार की हर योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न कमजोर वर्गों तक पहुंचे। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने अनुसूचित जातियों के लिए लगभग 24,000 करोड़ रुपए अनुसूचित जनजातियों हेतु 12,000 करोड़ रुपए और पूर्वोत्तर क्षेत्र को 400 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि जारी करवाई गई है। कोरोना के दौरान महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को प्रतिमाह 5 किलो की दर से अतिरिक्त खाद्यान्न उनकी मासिक पात्रता के अलावा भी मुक्त में जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आवंटन अप्रैल 2020 से मार्च 2022 तक अब तक 5 चरणों में किया गया है। इसकी शुरुआत के बाद से इस योजना के तहत 2.60 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित वृत्तीय खर्च के साथ कुल 758 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न आवंटित किया जा चुका है। पीएमजीकेएवाई को अब सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें लगभग 80,851 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय लागत के साथ 244 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का अधिक आवंटन शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में जिले के हर वर्ग में शामिल गरीब लोगों को कोरोना काल के दौरान राशन हर घर तक पहुंचाया गया है। भारत सरकार ने चीनी उद्योग का सहयोग करने और चीनी मिलों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाबद्ध हस्तक्षेप किए है, जिससे किसानों के गन्ना बकाया का भुगतान किया जा सके। इस दिशा में विभिन्न चीनी क्षेत्र की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता दी गई है।

गुरुबाणी से जुड़ कर जीवन को सार्थक बनाएं संगत : हरजिंदर सिंह धामी

एसजीपीसी प्रधान व वरिष्ठ उपप्रधान ने ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में किया रिहायशी कमरों का उद्घाटन

बाबा सुबेग सिंह कार सेवा वाले और एसजीपीसी मैंबर साहिबान भी रहे मौजूद

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी एडवोकेट ने कहा कि हम सब को गुरबाणी से जुड़ना चाहिए। यही नहीं, हमें अपने बच्चों को भी गुरबाणी से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। वे धर्मनगरी के ऐतिहासिक गुरुद्वारा सातवीं पातशाही में नवनिर्मित कमरों का उद्घाटन करने से पहले संगत से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उनके साथ बाबा शुबेग सिंह कार सेवा वाले, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क, एसजीपीसी मैंबर जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध, जत्थेदार बलदेव सिंह खालसा, जत्थेदार बलदेव सिंह कैमपुर, धर्म प्रचार कमेटी मैंबर तजिंदरपाल सिंह लाडवा, एसजीपीसी सब ऑफिस कुरुक्षेत्र उपसचिव सिमरजीत सिंह कंग, प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा, सिख मिशन हरियाणा ज्ञानी मंगप्रीत सिंह, सहायक प्रभारी जसबीर सिंह लौंगोवाल भी मौजूद रहे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के इतिहास का जिक्र करते हुए प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि बेशक एसजीपीसी का गठन 1925 में हुआ था, लेकिन 1920 से ही गुरुद्वारा साहिबान की सेवा संभाल का कार्य शुरु कर दिया गया था। यह सिखों की सर्वोच्च संस्था है और हम सब को इसका सहयोग करना चाहिए। इस दौरान एसजीपीसी प्रधान ने बाबा शुबेग सिंह कार सेवा वालो को सिरोपा व श्रीसाहिब भेंट कर उनका आभार भी जताया। इसके उपरांत शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क, बाबा शुबेग सिंह कार सेवा वालो व अन्य एसजीपीसी मैंबर साहिबान ने कमरों का उद्घाटन किया। उदघाटन से पहले गुरु चरणों में अरदास की गई। इससे पहले वे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में पहुंचे, जहां पहुंचने पर एसजीपीसी मैंबर साहिबान जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध व बलदेव सिंह कैमपुर व सब ऑफिस उपसचिव सिमरजीत सिंह कंग ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में हैड ग्रन्थी भाई गुरदास सिंह, शिअद प्रदेश प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, जिला प्रधान जरनैल सिंह बोढी, रजिंदर सिंह सोढी, शही प्रधान तजिंदर सिंह मक्कड़, मैनेजर अमरिंदर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

मीरी-पीरी अस्पताल में किया ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन

एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विर्क ने मीरी पीरी इंस्टीचयूट ऑफ मैडिकल साइसिज एंड रिसर्च शाहाबाद मारकंडा में भी स्थापित किए गए ऑक्सीजन गैस प्लांट का उद्घाटन किया। तत्पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसजीपीसी प्रधान ने कहा कि अस्पताल में आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। यहां अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस आईसीयू वार्ड बनाया गया है, जबकि सीटी स्कैन व डायलसिस की सुविधा भी मरीजों के लिए भी मौजूद है। पटियाला में हुए विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब नहीं होने चाहिए थे, इस मामले में उचित कदम उठाना पंजाब सरकार का उत्तरदायित्व था, जिसे वह निभाने में असफल रही है। इससे पहले अस्पताल में पहुंचने पर एसजीपीसी प्रधान का डा.संदीपइंदर सिंह चीमा ने स्वागत भी किया। यही नहीं, उन्हें अस्पताल का निरीक्षण भी करवाया गया। इस दौरान अस्पताल के सीईओ डा.संदीप इंदर सिंह चीमा व अन्य चिकित्सक, गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब अंबाला के मैनेजर नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार पर पूर्णत: अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन एक्शन मोड में दोषियों के खिलाफ करें प्रशासनिक कार्यवाही : अनीश यादव

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। अब किसी भी सूरत में दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इसको लेकर उपायुक्त अनीश यादव ने जिला एवं उपमंडल स्तर पर गठित विजिलेंस कमेटी के अध्यक्ष एवं सदस्यों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में प्रयोग होने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच करें, जहां कहीं भी लापरवाही नजर आती है, संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ तुरंत कार्यवाही अमल में लाई जाए। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समय पर आ रहे हैं या नहीं इसको भी सुनिश्चित किया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। विजिलेंस कमेटियां हर सप्ताह में औचक निरीक्षण करने के लिए एक दिन अवश्य निर्धारित करें और जांच रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय अवश्य भेजें।

उपायुक्त वीरवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जिला एवं उपमंडल स्तर पर गठित विजिलेंस कमेटियों के अध्यक्षों के साथ मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिला में विभिन्न विभागों, नगर निगम, नगर पालिकाओं द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का विजिलेंस कमेटी के सदस्यों को साथ लेकर औचक निरीक्षण करें और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने पर बल दें। उन्होंने यह भी कहा कि सप्ताह में कम से कम एक दिन का औचक निरीक्षण अवश्य निर्धारित करें और उसकी जांच रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय भिजवाएं ताकि लापरवाह अधिकारी एवं कर्मचारियों पर कार्यवाही अमल में लाई जा सके।

बैठक में उपायुक्त ने नगराधीश मयंक भारद्वाज को निर्देश दिए कि वे जिला विजिलेंस कमेटी व उपमंडल स्तरीय विजिलेंस कमेटी से हर माह में 20 तारीख तक चैकिंग रिपोर्ट लेंगे और मासिक समीक्षा बैठक में वह जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि जांच के दौरान दोषी पाए गए संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि जिला में भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अगर कहीं पर भी इस प्रकार की बात किसी कार्यालय में नजर आई तो संबंधित के खिलाफ तुरंत प्रभाव से प्रशासनिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा, इंद्री के एसडीएम डा. आनंद कुमार शर्मा, करनाल के एसडीएम अभिनव मेहता, असंध के एसडीएम मनदीप कुमार, घरौंडा के एसडीएम अभय सिंह जांगड़ा उपस्थित रहे।

विजय सांपला के पुन: राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन बनाए जाने पर स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह आयोजित

केंद्र नेतृत्व ने विजय सांपला के भाजपा के प्रति समर्पण व निष्ठा को देखते हुए अहम जिम्मेदारी सौंपी: सुरजभान कटारिया

गजब हरियाणा न्यूज

दिल्ली। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सदस्य व श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटारिया ने कहा कि केंद्र नेतृत्व ने विजय सांपला को भाजपा के प्रति समर्पण व निष्ठा को देखते हुए अहम जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें पुन: अनुसूचित जाति आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया गया। उनकी नियुक्ति पर पीठ की कार्यकारिणी प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करती है। वे बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला को पुन: राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन बनाए पर श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ द्वारा कॉन्स्टिट्यूशन क्लब नई दिल्ली में आयोजित स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा की विजय सांपला एक खुशदिल व्यक्ति, साफ छवि,सामाजिक सोच रखने वाले उच्च व्यक्तित्व के धनी हैं। जिनका स्वभाव मिलनसार है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मुख्य उद्देश्य सबका साथ - सबका विकास और सबका विश्वास है। इस अवसर महापीठ के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा राष्ट्रिय महामंत्री दुष्यन्त गौतम,राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुरेश राठौर, आत्माराम परमार, पूर्व सांसद अनिता आर्य, शीशराम सिंह रवि, सूरज कैरों, विशाखा सैलानी, चौधरी चांदराम, बृजेश्वर निम्मी, विजय सिंह प्रेमी, गौतम टेटवाल, बारेलाल अहिरवार, रामवीर भैया, मनजीत बाली, सरदार जसवीर मेहता, डॉ चरण सिंह लिसाड़ी, डॉ. रवि प्रकाश, धर्मवीर, मनोज कुमार मन्नू सहित तमाम गणमान्य अतिथिगणों ने शामिल होकर विजय सांपला को बधाई दी।

भूखे को भोजन खिलाना प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुनीत कार्य : सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा

गांव भिवानी खेड़ा में पीर अली खान की मजार पर आयोजित किया गया भंडारा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। गांव भिवानी खेड़ा में वीरवार को पीर अली खान की मजार पर भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लंगर ग्रहण किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को लंगर वितरित करते हुए किसान नेता सुरेंद्र सैनी भिवानी खेड़ा ने कहा कि भूखे को भोजन खिलाना और प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। लंगर मे की गई सेवा सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि पीर अली खान की मजार पर प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है। भंडारे में आसपास के गांव के श्रद्धालु बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण करने के लिए यहां पर पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजकों की ओर से वहां पर टेंट की व्यवस्था के साथ-साथ पीने के पानी की व्यवस्था की गई। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान देखा गया कि भडारे में आने वाले श्रद्धालुओं मे विशेष उत्साह देखा गया। भंडारे में आने वाले लोगों में छोटे बच्चे से लेकर महिलाएं भी पहुंची। किसान नेता भिवानी खेड़ा ने कहा कि ऐसे आयोजन करने से मनुष्य को आत्मिक शांति मिलती है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में भंडारे में सहयोग व सेवा करनी चाहिए। इससे उनको भगवान की ओर से दोगुना पुण्य मिलता है।

गर्मियों में लू से कैसे बचें अपनाएं ये आसान से घरेलू उपाय

गर्मियों में लू लगने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। लू से बचने के लिए कुछ घरेलू उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। साथ ही जानिए लू लगने के कारण और लक्षण। गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में चिलचिलाती धूप के साथ गर्म हवा चलने लगती है। जिसके कारण लू लगने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। लू से बचने के लिए कुछ घरेलू उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। साथ ही जानिए लू लगने के कारण और लक्षण।

लू लगने का कारण

चिलचिलाती धूप में शरीर पूरा ढक कर बाहर ना निकलना, तेज धूप में नंगे पांव चलना, एसी वाली जगह से निकलकर तुरंत धूप में पहुंच जाना, कम पानी पीना, धूप से तुरंत घर आकर ठंडा पानी पीने आदि के कारण आप लू की चपेट में आ सकते हैं।

★लू लगने के लक्षण

*बार-बार मुंह का सूखना
*सांस लेने में तकलीफ
*उल्टी आना
*चक्कर आना
*लूज मोशन
*सिर दर्द
*तेज बुखार
*हाथ-पैर ढीले हो जाना
*बेहोशी जैसा लगना
*अधिक थकावट महसूस होना

★लू से बचने के घरेलू उपाय

*थोड़ी सी साबुत धनिया पानी में भिगोकर कर रख दें। जब ये फूल जाएं तो इसे मैश करके छान लें और इसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर पिएं।
*गर्मियों के मौसम में आम का पन्ना आपके लिए फादेमंद साबित हो सकता है।
*अगर आपको कोई काम है तो उसे सुबह या फिर शाम को बाहर जाने कोशिश करें। धूप में कम से कम निकले। अगर निकलना जरुरी है तो सिर ढक कर निकले।
*कच्चा प्याज भी आपको लू से बचा सकी हैं। इसलिए अधिक मात्रा में प्याज का सेवन करें।
*बार-बार पानी पीते रहें। जिससे कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार न हो।
*पानी में नींबू और नमक डालकर दिन में करीब 2-3 बार पिएं। इससे लू लगने का खतरा का काफी कम हो जाता है।
*लू से बचने के लिए बेल का शरबत काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यह आपके शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है।
बाहर से आकर तुरंत पानी पीने से बचें। जब शरीर का तापमान सामान्य हो जाए उसके बाद ही पानी पिएं।
*गर्मी में लू से बचने के लिए हमेशा ढीले और सूती के कपड़े पहने साथ ही घर से बाहर जाने पर छतरी के अलावा एक पानी की बोतल और खाने का कुछ सामान जरूर रखें।

राज्य मंत्री में मिला पूर्व श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला प्रतिनिधि मंडल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के पूर्व प्रधान रणपत माथुर की अगुवाई में राज्य मंत्री अनूप धानक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि सरकार की घोषणा के अनुसार कुरुक्षेत्र में श्री गुरु रविदास जी महाराज का भव्य विश्व स्तरीय भवन बनाया जाए। अनूप धानक ने मामला उप संख्या के संज्ञान में लाने व शीघ्र घोषणा पूरी करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व शासकीय सदस्य गुरप्रीत सिंह कोबरा, पूर्व उप प्रधान जरनैल सिंह रंगा, पूर्व सचिव तारा चंद, श्री गुरू रविदास सभा पिपली के प्रधान गुरदयाल सिंह, संजीव बलाही इत्यादि मौजूद रहे। पूर्व प्रधान धनपत माथुर ने बताया कि मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार द्वारा 5 एकड़ भूमि में कुरुक्षेत्र में बनाए जाने बारे घोषणा की गई थी व जजपा के घोषणा पत्र में भी आश्वासन लिखा गया था। इसलिए आपसे अनुरोध है कि इस घोषणा को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए।

ओशो प्रवचनो से संकलित हिंदी बोध कथा

लाओत्सू के जीवन में उल्लेख है कि वर्षों तक खोज में लगा रहकर भी सत्य की कोई झलक न पा सका सब चेष्टाये की, सब प्रयास, सब उपाय सब निष्फल गये। थककर हारा पराजित 1 दिन बैठा है पतझड़ के दिन है वृक्ष के नीचे अब न कहीं जाना है न कुछ पाना है हार पूरी हो गई आशा भी नहीं बची आशा का कोई तंतु जाल नहीं है जिसके सहारे भविष्य को फैलाया जा सके अतीत व्यर्थ हुआ भविष्य भी व्यर्थ हो गया यही क्षण बस काफी है इस के पार वासना के कोई पंख नहीं कि उड़े। संसार तो व्यर्थ हुआ ही मोक्ष, सत्य ,परमात्मा भी व्यर्थ हो गए ।ऐसा बैठा है चुपचाप कुछ करने को नहीं है कुछ करने जैसा नहीं है। और तभी एक पत्ता सूखा तरफ से गिरा देखता रहा गिरते पत्ते को धीरे-धीरे हवा पर डोलता वृक्ष का पत्ता नीचे गिर गया हवा का आया अंदर फिर उठ गया पता ऊपर फिर गिरा पूरब गई हवा तो पूरब या पश्चिम गई तो पश्चिम गया। और कहते हैं कि वही उस सूखे पत्ते को देख कर लाओ तू समाधि को उपलब्ध हुआ। सूखे पत्ते के व्यवहार में ज्ञान की किरण मिल गई ला उसने कहा बस ऐसा ही में भी हो रहा हूं जहां ले जाए हवाएं चला जाऊं जो करवाए प्रकृति कर लूं ,अपनी मर्जी न रखूँ। अपनी आकांक्षाएं न थोपूँ। मेरी निजी कोई आकांक्षा ही न हो ।यह जो विराट का खेल चलता है इस विराट के खेल में मैं एक तरंग मात्र की भाँति सम्मिलित होऊँ। विराट की योजना ही मेरी योजना हो। और विराट का संकल्प ही मेरा संकल्प। और जहां जाता हो यह अनंत वहीं में भी चल पड़ूं उससे अन्यथा मेरी कोई मंजिल नहीं डुवाये तो डूबूँ, डुबाये तो डूबना ही मंजिल और जहां डुबो दे वही किनारा।

ओशो
अष्टावक्र महागीता

जीते जी मुक्ति मार्ग (बुद्ध पूर्णिमा विशेष)

गौतम बुद्ध ने 21 वर्ष की आयु में दुखों से मुक्ति प्राप्त होने का उपाय ढूंढने के लिए अपने परिवार और गृहस्थ जीवन को छोड़ दिया। निरंतर चिंतन मनन के बाद 35 वर्ष की आयु में उन्होंने इसका रास्ता भी खोज लिया।45 वर्ष लगातार उन्होंने अपने विचारों का प्रचार एवं प्रसार किया।

जब उनका अंत समय आया, वह एक वृक्ष के नीचे लेट गए और मृत्यु की प्रतीक्षा करने लगे। उस समय उनका केवल एक ही शिष्य उनके पास था। उसका नाम आनंद था। आनंद ही लम्बे समय से बुद्ध की सेवा कर रहा था। आनंद ने सोचा कि बुद्ध का अंत समय निकट है। अगर यह बात पास के गांव वालों में रहने वाले बुद्ध के शिष्यों को न बताई जाए तो वे लोग नाराज होंगे।

आनंद के यह बताने पर लोग बुद्ध का दर्शन करने उस वृक्ष के पास पहुंचने लगे। आसपास के इलाकों में इस बात की चर्चा फैल गई। एक व्यक्ति अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए काफी उत्सुक था। भोला भाला ग्रामीण था और दुनियादारी को ढंग से नहीं जानता था फिर भी उसके मन में एक जिज्ञासा थी जिसे लेकर वह परेशान था।

बुद्ध से उसने जीते जी मुक्ति पाने का मार्ग बताने की प्रार्थना की। बुद्ध ने कहा, ''जीते जी जन्म-मरण से मुक्ति प्राप्त करना चाहते हो तो जीवन में तीन बातों का ध्यान रखो। इन बातों पर अमल भी करो।'' सब लोग ध्यान से सुनने लगे।

बुद्ध ने कहा, ''पहली बात पापों से जहां तक संभव हो बचो। दूसरी बात जीवन में जितने भी पुण्य कर्म कर सकते हो करो। तीसरी बात, अपना मन-चित्त निर्मल रखो।''

यह शब्द कहते ही बुद्ध ने अपने प्राण त्याग दिए।''

बुद्ध की इन तीन शिक्षाओं को अपना कर ग्रामीणों ने जीते जी मुक्ति का मार्ग पाया। ये तीन शिक्षाएं मानवता के लिए अमूल्य धरोहर हैं। दिखने में शायद ये तीनों बातें बहुत छोटी नजर आती हैं किन्तु वास्तव में यदि हम इन पर अमल करें तो निश्चय ही जीवन के उच्च लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

भक्त पर भगवान की कृपा : संत नामदेव

कन्धे पर कपड़े का थान लादे और हाट-बाजार जाने की तैयारी करते हुए संत नामदेव जी से उनकी पत्नि ने कहा- भगत जी! आज घर में खाने को कुछ भी नहीं है। आटा, नमक, दाल, चावल, गुड़ और शक्कर सब खत्म हो गए हैं। शाम को बाजार से आते हुए घर के लिए राशन का सामान लेते आइएगा। भक्त नामदेव जी ने उत्तर दिया- देखता हूं जैसी विठ्ठल जीकी कृपा। अगर कोई अच्छा मूल्य मिला, तो निश्चय ही घर में आज धन-धान्य आ जायेगा। पत्नि बोली संत जी! अगर अच्छी कीमत ना भी मिले, तब भी इस बुने हुए थान को बेचकर कुछ राशन तो ले आना। घर के बड़े-बूढ़े तो भूख बर्दाश्त कर लेंगे। पर बच्चे अभी छोटे हैं, उनके लिए तो कुछ ले ही आना। जैसी मेरे विठ्ठल की इच्छा। ऐसा कहकर भक्त नामदेव जी हाट-बाजार को चले गए। बाजार में उन्हें किसी ने पुकारा- वाह सांई! कपड़ा तो बड़ा अच्छा बुना है और ठोक भी अच्छी लगाई है, तेरा परिवार बसता रहे। ये फकीर ठंड में कांप-कांप कर मर जाएगा।दया के घर में आ और रब के नाम पर दो चादरे का कपड़ा इस फकीर की झोली में डाल दे।

भक्त नामदेव जी- दो चादरे में कितना कपड़ा लगेगा फकीर जी? फकीर ने जितना कपड़ा मांगा, इतेफाक से भक्त नामदेव जी के थान में कुल कपड़ा उतना ही था। और भक्त नामदेव जी ने पूरा थान उस फकीर को दान कर दिया। दान करने के बाद जब भक्त नामदेव जी घर लौटने लगे तो उनके सामने परिजनों के भूखे चेहरे नजर आने लगे। फिर पत्नि की कही बात, कि घर में खाने की सब सामग्री खत्म है। दाम कम भी मिले तो भी बच्चो के लिए तो कुछ ले ही आना। अब दाम तो क्या, थान भी दान जा चुका था। भक्त नामदेव जी एकांत मे पीपल की छांव मे बैठ गए।

जैसी मेरे विठ्ठल की इच्छा। जब सारी सृष्टि की सार पूर्ती वो खुद करता है, तो अब मेरे परिवार की सार भी वो ही करेगा। और फिर भक्त नामदेव जी अपने हरिविठ्ठल के भजन में लीन गए। अब भगवान कहां रुकने वाले थे। भक्त नामदेव जी ने सारे परिवार की जिम्मेवारी अब उनके सुपुर्द जो कर दी थी। अब भगवान जी ने भक्त जी की झोंपड़ी का दरवाजा खटखटाया। नामदेव जी की पत्नी ने पूछा- कौन है? नामदेव का घर यही है ना? भगवान जी ने पूछा। अंदर से आवाज हां जी यही आपको कुछ चाहिये भगवान सोचने लगे कि धन्य है नामदेव जी का परिवार घर मे कुछ भी नही है फिर ह्र्दय मे देने की सहायता की जिज्ञयासा है।

भगवान बोले दरवाजा खोलिये, लेकिन आप कौन? भगवान जी ने कहा- सेवक की क्या पहचान होती है भगतानी? जैसे नामदेव जी विठ्ठल के सेवक, वैसे ही मैं नामदेव जी का सेवक हूं। ये राशन का सामान रखवा लो। पत्नि ने दरवाजा पूरा खोल दिया। फिर इतना राशन घर में उतरना शुरू हुआ, कि घर के जीवों की घर में रहने की जगह ही कम पड़ गई। इतना सामान! नामदेव जी ने भेजा है? मुझे नहीं लगता, पत्नी ने पूछा। भगवान जी ने कहा- हाँ भगतानी! आज नामदेव का थान सच्ची सरकार ने खरीदा है। जो नामदेव का सामर्थ्य था उसने भुगता दिया। और अब जो मेरी सरकार का सामर्थ्य है वो चुकता कर रही है। जगह और बताओ।सब कुछ आने वाला है भगत जी के घर में।

शाम ढलने लगी थी और रात का अंधेरा अपने पांव पसारने लगा था। समान रखवाते-रखवाते पत्नि थक चुकी थीं। बच्चे घर में अमीरी आते देख खुश थे। वो कभी बोरे से शक्कर निकाल कर खाते और कभी गुड़। कभी मेवे देख कर मन ललचाते और झोली भर-भर कर मेवे लेकर बैठ जाते। उनके बालमन अभी तक तृप्त नहीं हुए थे। भक्त नामदेव जी अभी तक घर नहीं आये थे, पर सामान आना लगातार जारी था। आखिर पत्नी ने हाथ जोड़ कर कहा- सेवक जी! अब बाकी का सामान संत जी के आने के बाद ही आप ले आना। हमें उन्हें ढूंढने जाना है क्योंकी वो अभी तक घर नहीं आए हैं।

भगवान जी बोले- वो तो गांव के बाहर पीपल के नीचे बैठकर विठ्ठल सरकार का भजन-सिमरन कर रहे हैं। अब परिजन नामदेव जी को देखने गये। सब परिवार वालों को सामने देखकर नामदेव जी सोचने लगे, जरूर ये भूख से बेहाल होकर मुझे ढूंढ रहे हैं।

इससे पहले की संत नामदेव जी कुछ कहते उनकी पत्नी बोल पड़ीं- कुछ पैसे बचा लेने थे। अगर थान अच्छे भाव बिक गया था, तो सारा सामान संत जी आज ही खरीद कर घर भेजना था क्या? भक्त नामदेव जी कुछ पल के लिए विस्मित हुए। फिर बच्चों के खिलते चेहरे देखकर उन्हें एहसास हो गया, कि जरूर मेरे प्रभु ने कोई खेल कर दिया है।

पत्नि ने कहा अच्छी सरकार को आपने थान बेचा और वो तो समान घर मे भैजने से रुकता ही नहीं था। पता नही कितने वर्षो तक का राशन दे गया। उससे मिन्नत कर के रुकवाया- बस कर! बाकी संत जी के आने के बाद उनसे पूछ कर कहीं रखवाएंगे। भक्त नामदेव जी हंसने लगे और बोले- ! वो सरकार है ही ऐसी। जब देना शुरू करती है तो सब लेने वाले थक जाते हैं। उसकी बख्शीश कभी भी खत्म नहीं होती। वह सच्ची सरकार की तरह सदा कायम रहती है।

महत्वपूर्ण इतिहास सामान्य ज्ञान हरियाणा:-

1.प्रश्न : हरियाणा राज्य की सीमा कितने राज्यों से लगती है ?
उत्तर : पांच

2.प्रश्न : हरियाणा राज्य का संपूर्ण क्षेत्रफल कितना है ?
उत्तर : 44212 वर्ग किलोमीटर

3.प्रश्न : देश की आजादी से पहले हरियाणा किस प्रांत में शामिल था ?
उत्तर : पंजाब

4.प्रश्न : हरियाणा राज्य का वन क्षेत्र कितना है ?
उत्तर : 1560 वर्ग किलोमीटर

5.प्रश्न : हरियाणा के किस क्षेत्र में शिवालिक पर्वत श्रेणियां स्थित है ?
उत्तर : उत्तर-पूर्वी में

6.प्रश्न : क्षेत्रफल के अनुसार हरियाणा का कौन सा जिला सबसे बड़ा है ?
उत्तर : भिवानी

7.प्रश्न : हरियाणा में कस्बों की संख्या कितनी है ?
उत्तर : 106

8.प्रश्न: हरियाणा में खंडो(ब्लॉक) की संख्या कितनी है ?
उत्तर : 119

9.प्रश्न : राज्य मैं स्थित शिवालिक पहाड़ियों की ऊंचाई कितनी है ?
उत्तर : 900 मीटर से 2300 मीटर तक

10.प्रश्न : हरियाणा राज्य में सबसे बड़ा क्षेत्र है ?
उत्तर : मैदानी क्षेत्र

11.प्रश्न : हरियाणा में बीबीपुर व नजफगढ़ झीलें के क्षेत्र में स्थित है ?
उत्तर : मैदानी क्षेत्र में

12.प्रश्न : हरियाणा में अरावली की पहाड़ियां किस भाग में है ?
उत्तर :पश्चिमी भाग में

13.प्रश्न : राज्य में वार्षिक वर्षा का औसत कितना है ?
उत्तर : 45 सेंटीमीटर

14.प्रश्न : बड़खल झील का निर्माण कब हुआ ?
उत्तर : 1947 ईस्वी में

15.प्रश्न : सूरजकुंड का निर्माण किसने करवाया था ?
उत्तर : तोमर राजा सूरजमल

16.प्रश्न : सूरजकुंड हरियाणा के किस जिले में स्थित है ?
उत्तर : फरीदाबाद

17.प्रश्न : क्षेत्रफल की दृष्टि से हरियाणा का देश का कौन सा राज्य है ?
उत्तर : 20 वा

18.प्रश्न : हरियाणा के किस जिले की सीमा किसी भी राज्य की सीमा से नहीं लगती ?
उत्तर : रोहतक

19.प्रश्न : राज्य के किस जिले में राजदूत मोटरसाइकिल बनाने की फैक्ट्री है ?
उत्तर : फरीदाबाद

20.प्रश्न : कौन सा कार्य हरियाणा के गुड़गांव जिले में होता है ?
उत्तर : मारुति कारों का निर्माण

21.प्रश्न : हरियाणा के किस जिले में एटलस साइकिल का उद्योग लगा हुआ है ?
उत्तर : सोनीपत में

22.प्रश्न : एचएमटी फैक्ट्री हरियाणा के किस जिले में स्थित है ?
उत्तर : अम्बाला

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।
91382-03233

मेरे लिए तो बुद्ध, धम्म और संघ ही बहुमूल्य रत्न हैं। मेरी इच्छा है कि ये तीनों रत्न सिर्फ रात में ही नहीं बल्कि रात और दिन मुझे प्रकाशित करते रहें

एस. एन. टंडन, पूर्व होम डिप्टी सेक्रेटरी, राजस्थान सरकार

श्रद्धेय टंडन साहब का स्मृति दिवस 11 मई को था।

भगवान बुद्ध के महान उपासक, पालि भाषा के विद्वान जिन्होंने तथागत बुद्ध के सूत्रों के कई दुर्लभ ग्रंथों का पालि व संस्कृत से हिंदी अनुवाद किया। विपस्सना ध्यान साधना के वाहक और आचार्य गोयनका जी के प्रमुख सहयोगी।

आपका जन्म पाकिस्तान में हुआ। फिर भारत आए। प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ। जयपुर में लंबे समय तक सरकारी सेवा में रहे। उस समय होम सेक्रेट्री राजस्थान श्री राम सिंह जी थे। दोनों वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आचार्य गोयनका जी के सानिध्य में आए और दोनों ने तथागत बुद्ध की खोजी हुई विपस्सना ध्यान साधना के माध्यम से सेवा के दौरान और रिटायरमेंट के बाद भी देश विदेश में लंबे समय तक विपस्सना आचार्य के रूप में बुद्ध वाणी का प्रचार करते हुए धम्म की महान सेवा की।

आपने भगवान बुद्ध द्वारा घोषित अग्र श्रावकों पर 32 पुस्तकें लिखी। सम्राट अशोक के अभिलेख, तिक पट्ठान आदि विषयों पर कई पुस्तकों का लेखन किया।

रिटायरमेंट के बाद भी बुद्धवाणी के साथ देश विदेश में निरंतर धम्म सेवा करते रहे। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती लाज टंडन भी विपस्सना सहायक आचार्या के रूप में हर पल साये की तरह साथ रहकर भगवान बुद्ध के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

पालि भाषा के विद्वान एस एन टंडन साहब ने अपने जीवन के आखिरी अमूल्य वर्ष धम्मथली विपश्यना केंद्र जयपुर में बिताए। जहां उन्हीं के प्रयासों से पाली भाषा केंद्र की स्थापना हुई। तथागत बुद्ध के द्वितीय शासन के ऐसे विद्वान उपासक का दिल्ली में देहांत हुआ।

एक बार टंडन साहब ने लिखा

प्राचीन काल में ज्योतिक नामक एक धनी व्यापारी था। वह रात में अपने घर में दीप न जलाकर बहुमूल्य हीरे जवाहरात रत्नों से घर को प्रकाशित किया करता था। लेकिन

मेरे लिए बुद्ध, धम्म और संघ ही बहुमूल्य रत्न है मेरी इच्छा है कि यह तीनों रत्न सिर्फ रात में ही नहीं बल्कि दिन रात मुझे प्रकाशित करते रहें।

संसार के बहुमूल्य तीन रत्नों के ऐसे महान उपासक एसएन टंडन जी को कोटि-कोटि वंदन।

सबका मंगल हो... सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति: डॉ एम एल परिहार, जयपुर

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

बुद्ध पूर्णिमा भगवान बुद्ध के जन्म दिवस,ज्ञान प्राप्ति तथा मृत्यु के प्रतिक के रूप में मनाई जाती है,ये बौद्ध धर्म का प्रमुख त्यौहार है। ये हर साल वैशाख माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसे बौद्ध धर्म में काफी महत्व दिया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा आज 16 मई को मनाई जा रही है। ये त्यौहार बौद्ध धर्म की शोभा को बढाता है।

बुद्ध पूर्णिमा न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में भी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रीलंका, कंबोडिया, वियतनाम, चीन, जापान,नेपाल थाईलैंड, मलयेशिया, म्यांमार, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। श्रीलंका में इस दिन को %वेसाक% के नाम से जाना जाता है।

बुद्ध पूर्णिमा का इतिहास

वैशाख की पूर्णिमा को लुम्बिनी नामक स्थान पर शुद्धोधन तथा महामाया के घर में पुत्र रत्न के रूप में सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यही सिद्धार्थ बड़े होकर गौतम बुद्ध अथवा महात्मा बुद्ध कहलाये थे। भगवान बुद्ध को तथागत भी कहा जाता है। शाक्य गणराज्य की राजधानी कपिलवस्तु थी। सिद्धार्थ के पिता शुद्धोधन शाक्यों के राजा थे इसलिए बुद्ध को शाक्य मुनि भी कहते हैं। महात्मा बुद्ध के जन्म के सात दिन पश्चात् ही उनकी माता महामाया की मृत्यु हो गई। जिसके बाद महात्मा बुद्ध का लालन-पालन उनकी सौतेली माँ ने किया था। सिद्धार्थ की शादी कोलीय वंश के राजा सुप्पबुद्ध की पुत्री राजकुमारी यशोधरा से हुई थी। एक पुत्र पैदा हुआ जिसका नाम राहुल था।

29 वर्ष की आयु में महात्मा बुद्ध ने गृह को त्याग दिया और भक्ति करने चले गए। लगातार सात साल की कठोर तपस्या के बाद महात्मा बुद्ध को 35 वर्ष की आयु में वैशाख की पूर्णिमा को पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ। जिसके बाद उन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था।

इसके बाद 483 ईसा पूर्व वैशाख की पूर्णिमा को एक व्यक्ति के द्वारा परोसे गए विषाक्त भोजन करने के कारण 80 वर्ष की आयु में भगवान बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ। पर इसके खास बात ये थी। कि बुद्ध का जन्म,ज्ञान तथा महापरिनिर्वाण वैशाख की पूर्णिमा को हुआ था। इसलिए ये दिन बौध धर्म के लोगों के लिए और भी ख़ास है।

इस पर्व को मनाने की परंपरा

बुद्ध पूर्णिमा को परम्परागत तरीके से मनाई जाती है। इस त्यौहार की शुरुआत प्रार्थना के साथ होती है। इसके बाद सभी लोग दीपक जलाते है। बुद्ध की प्रतिमा को फुल चढाते है। तथा पीपल के पेड़ की पूजा करते है। इस वृक्ष को बोधि वृक्ष कहते है। इस वृक्ष की सुरक्षा की जाती है। इसके एक से बढ़कर एक व्यक्ति भाग लेते है। और इस त्यौहार को बड़ी धूम धाम से मनाते है।

इस दिन सभी लोग बुद्ध के मंदिरों में पूजा पाठ करते है। तथा झंडा रोहण करते है। इस दिन बुद्ध के सभी स्थलों को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। पर ये त्यौहार प्रमुख रूप से बिहार में मनाया जाता है। क्योंकि वहां पर बुद्ध का भव्य मंदिर है। इस अवसर पर सभी लोग सफेद कपड़े पहनकर आते है।

हम सभी को बुद्ध के बताए समता के मार्ग पर चलकर समाज,देश व सभी प्राणियों की भलाई के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। तभी बुद्ध पूर्णिमा मनाने का मकसद सार्थक है।

संपादक
जरनैल सिंह रंगा

16 मई को शाहबाद मे मनाया जाएगा बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव

गजब हरियाणा न्यूज/प्रवीण

शाहबाद मारकंडा । श्री गुरु रविदास अमर ज्योति जागृति मिशन के प्रधान सुखबीर सिन्हा ने बताया कि श्री गुरु रविदास आश्रम जलेबी पुल शाहबाद मारकंडा में 16 मई दिन सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसमे आश्रम के संचालक महात्मा परमदास जी आशीर्वचन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भारत सरकार के सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्रालय के सदस्य सुरजभान कटारिया होंगे। महोत्सव की अध्यक्षता श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सुरजभान नरवाल करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार बाबूराम तुषार, समाजसेवी रविन्द्र सांगवान,रामकुमार राहुल,जरनैल सिंह रंगा गजब हरियाणा समाचार पत्र के संपादक मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया तथागत बुद्ध ने सभी जीवों को समता का सन्देश दिया है। उन्होंने नारा दिया था बुद्ध धम्म की क्या पहचान, मानव-मानव एक समान।

आम आदमी बनाएगी हरियाणा में बहुमत से सरकार : डॉ सुशील गुप्ता
जयपाल शर्मा ने कार्यकर्ता सम्मेलन का किया आयोजन

29 मई को आम आदमी पार्टी के कार्यक्रम 'अब बदल रहा है हरियाणा' का निमंत्रण देने पहुंचे हरियाणा के प्रभारी डॉ सुशील गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा, मार्केट कमेटी के करनाल से पूर्व चेयरमैन व तीन बार के घरौंडा विधानसभा के प्रत्याशी जयपाल शर्मा ने अनाज मंडी घरौंडा में आम आदमी पार्टी का हजारों की संख्या में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर आम आदमी पार्टी में अपनी राजनीति का आगाज किया।

राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई ,शिक्षा, स्वास्थय सुविधा से प्रदेश की जनता त्रस्त है अहम मुद्दों को भूल कर भाईचारा खराब करने का काम कर रही है सत्ताधारी पार्टियां। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सत्ताधारी पार्टी से जनता दुखी हो चुकी है। और अब जनता दिल्ली जैसे मॉडल हरियाणा में चाहती है। प्रदेश में त्रस्त जनता आम आदमी से पार्टी से जुड़कर बदलाव का मन बना चुकी है। और 2024 में प्रदेश की 90 सीटों पर आम आदमी पार्टी होगी। ओर प्रदेश में सीएम केजरीवाल द्वारा अपनी जा रही जनहित नीतियों को यहां लागू कर

जनता को राहत देगी आप सरकार। 29 मई की कुरुक्षेत्र रैली में लाखों लोग पहुंचेंगे।ओर हरियाणा में बदलाव का बिगुल बज जाएगा।

जयपाल शर्मा ने भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें हरियाणा के प्रभारी डॉ सुशील गुप्ता ने पहुंचकर जनसभा को संबोधित किया। आम आदमी पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

इसी कड़ी में 29 मई को कुरुक्षेत्र में भी एक बहुत बड़ी रैली आयोजित की जाएगी जिसमें बदल रहा है हरियाणा का आगाज होगा। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पहुंच कर हरियाणा में राजनीति का बदलाव करेंगे जिस प्रकार से मौजूदा सत्ताधारी पार्टियां भाईचारे को खराब करने का काम कर रही है लेकिन आम आदमी पार्टी दिल्ली में विकास के मॉडल को जिस तरीके से पूरे देश में पेश किया है उसका परिणाम पंजाब में बहुमतों से सरकार बनना है। और उसके बाद अब हरियाणा की बारी है। इस मौके पर बीके कौशिक (नॉर्थ जॉन अध्यक्ष), महिंदर राठी, सतीश स्टोनड़ी, डॉ गौरव गोयल, निर्मल सिंह, वैभव जैन, परवीन आजाद, पहल सिंह, जसवीर, नरेश मान, नरेश गोयल, ऋषि पाल, रमेश, देव आर्य, लखमीचंद, सुरेश मित्तल, रजनीकांत जैन, ओप्रकाश बक्श, रणदीप राणा पूर्व सरपंच, अनूप सिंह, सरदार विक्रम जीत सिंह, जयपाल गंगोगड़ी, श्याम लाल गर्ग, सतीश बिन्दल, तालीम गुज्जर,चौधरी रंगी राम, धर्मपाल पांचाल, मास्टर जयपाल, कृष्ण शर्मा बिजना, विष्ण संजय गोयल आदि मौजूद रहे।

कड़े संघर्ष के बाद मंचूरी स्कूल की धीरे धीरे बदलने जा रही तस्वीर

गजब हरियाणा न्यूज/चौहान

असंध । लंबे समय और कड़े संघर्ष के बाद आखिर मंचूरी वासियों का मंचूरी स्कूल में सुविधाओं का सपना साकार होता नजर आ रहा है। मंगलवार को स्कूल में अध्यापकों और अन्य सुविधाओं की मांगों के लिए किए गए छात्रों द्वारा मंचूरी से करनाल के पैदल मार्च को बीच रास्ते रुकवा उपायुक्त करनाल द्वारा मानी गई सभी मांगों पर वीरवार को मंचूरी पहुंचे उपमंडल अधिकारी असंध मंदीप कुमार ने स्कूल में पानी की टंकी व शौचालय सहित चारदीवारी और बिजली की व्यवस्था करने के साथ साथ कमरों के निर्माण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए थे। जिसके बाद वीरवार सायं बिजली का मीटर लग गया था और शुक्रवार को शौचालय निर्माण के लिए सामग्री भी स्कूल में पहुंच गई जिस पर शीघ्र कार्य किया जाना है। स्कूल में शौचालय निर्माण के लिए पहुंची सामग्री देख ग्रामीण खुश नजर आए। समाजसेवी सुखजीत लाल ग्रामीण जितेंद्र कश्यप , रोहतास कश्यप, सुरेंद्र, बीर सिंह, रेनू कश्यप , राजू आदि ने ग्रामीण परिवेश में स्कूल की तस्वीर बदलने के लिए शुरू करवाए जा रहे निर्माण कार्य के लिए उपायुक्त करनाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की हमारी मांगों के प्रति ईमानदारी से कर्तव्यनिष्ठा दिखा स्कूल में अध्यापक भेज कर बच्चों का भविष्य खराब होने से बचाया है। तब से बच्चे भी हर रोज शत-प्रतिशत उपस्थिति देकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

स्कूल में की जा रही साफ सफाई।

खंड विकास एवं पंचायत कार्यलय मूनक से ग्राम सचिव मंचूरी आशीष अहलावत ने कहा की स्कूल व आस पास की साफ सफाई व विभाग से संबंधित कार्य शीघ्र करवा दिए जाएंगे उन्होंने कहा की स्कूल में बनी ओपन जीम के प्रांगण में ब्लॉक व मुख्य द्वार के सामने गंदे नाले पर पक्की पुलिया बनवाई जाएगी उन्होंने ग्रामीणों से भी सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई में सहयोग की अपील की उन्होंने कहा की विभाग से संबंधित कार्यों के लिए के लिए किसी भी समय संपर्क करें समाधान किया जाएगा।

वकालत के क्षेत्र में अच्छा मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत व समय का सदुपयोग बहुत जरूरी: दीनानाथ अरोड़ा
केयू के विधि विभाग में आयोजित हुई प्रैक्टिल परीक्षा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रैक्टिल परीक्षा में जिला उपभोक्ता कमीशन के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता दीनानाथ अरोड़ा को विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया। विधि विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. दलीप कुमार ने विधि विभाग की ओर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रैक्टिल परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों से अपने 30 साल के वकालत के अनुभव व 10 वर्षो के जिला उपभोक्ता के अध्यक्ष के तौर पर कार्यकाल के बारे में विचार सांझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों से दीवानी व फौजदारी मुकद्दमों में हर प्रकार के सवाल पूछे व दीवानी व फौजदारी केसों के बारे में चर्चा की।

उन्होंने कहा कि वकालत के क्षेत्र में अच्छा मुकाम हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत व समय का सदुपयोग बहुत जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से वकील व मुवक्किल क मधुर संबंधों के बारे में अवगत करवाया।

इस अवसर पर प्रो. सीआर जिलोवा, डॉ. महाबीर सिंह, डॉ. सुनील भारती, डॉ. उर्मिला भारद्वाज, डॉ. सुरेन्द्र कल्याण मौजूद थे।

बाबैन रसोई में सेवा करने को लेकर बाबैन क्षेत्र की सभी संस्थाओं में भारी उत्साह : संदीप गर्ग

लाडवा रसाई के बाद बाबैन रसाई खुलने से समाजसेवी संदीप गर्ग की हो रही हर जगह चर्चा

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । संस्कृति से संस्कार और संस्कारों से ही निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करने का मार्ग प्रशस्त होता है, आज मानवता ही सबसे बड़ी सेवा है। हलका लाडवा समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा एक ऐसे जनसेवक है, जो हलका लाडवा को एक परिवार की नजर से देखते हुए लोगों की सेवा करने में हमेशा आगे रहकर इस परम्परा को आगे बढ़ाने का काम कर रहे है। इसी कडी को आगे बढ़ाते हुए समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा अपने पूर्वजों के पद चिन्हों पर चलते हुए 14 मई को अपने दादा स्वर्गीय सुरेन्द्र नाथ गर्ग की 30 पुण्यतिथि पर लाडवा की तरह बाबैन में भी बाबैन रसोई का शुभारंभ कर रहे हैं। उन्होंने बताया की इस बाबैन रसोई में हर व्यक्ति को मात्र 5 रूपये में अच्छी व बढ़िया क्वालिटी का खाना सभी को पेटभर मिलेगा। समाजसेवी संदीप गर्ग बाबैन रसोई का जायजा लेने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा बाबैन क्षेत्र की सभी धार्मिक व समाजिक संस्थाओं में बाबैन रसोई की लंगर सेवा को लेकर भारी जोश

और उत्साह दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज धार्मिक व समाजिक संस्थाओं के सहयोग को देखते हुए लाडवा के बाद बाबैन में रसोई खोलने का निर्णय लिया गया है। समाजसेवी संदीप गर्ग ने बाबैन में सभी दुकानदारों, टैम्पू यूनियन, पल्लेदार, मुनीम, आढ़ती, किसान, व्यापारी व बाबैन क्षेत्र के आस पास गांव के लोगों को 14 मई को सुबह दस बजे पहुंचने का निमंत्रण दिया और कहा कि सभी लोग बाबैन रसोई के सुभारंभ पर बढ चढ कर पहुंचें। समाजसेवी संदीप गर्ग ने पहले लाडवा में और अब बाबैन में बाबैन रसोई के माध्यम से 5 रुपए में भरपेट खाना देने का काम शुरू करके एक बहुत ही सरहनीय काम किया है और वे इसमें अपना हर संभव सहयोग देंगे। उन्होनें कहा कि यह बाबैन क्षेत्र के लोगों की अपनी रसोई होगी। इस रसोई में प्रतिदिन लोगों को दोपहर 12 बजे से लेकर 2 बजे तक पांच रूपए में भरपेट खाना मिलेगा और रसोई का संचालन बाबैन की संस्थाओं के द्वारा प्रतिदिन किया जाएगा और जो संस्था जिस दिन इस रसोई के लिए संचालन करेगी उसी की जिम्मेदारी होगी कि

किस प्रकार से इस रसोई को चलाना है। उन्होंने कहा कि जिस किसी व्यक्ति के पास भोजन करने के लिए यदि पांच रूपए भी नहीं है उसे भी खाना वह धार्मिक व सामाजिक संस्था अपने पास से पांच रूपए देकर खाना खिलाएगी। संदीप गर्ग लाडवा ने हल्का लाडवा की जनता के हित के लिए एक और बहुत ही बडी घोषणा की है कि वह कुछ ही दिनों में हल्का लाडवा की जनता की सुविधा के लिए मेडिकल वैन चालू करेंगे जो गांव व शहरो में डोर-टे डोर जाकर ईसीजी व शरीर के अन्य टेस्ट मात्र 50 रूपये में करेंगे । उन्होंने यह भी बताया है कि इस वाहन में उच्चडिग्री प्राप्त एक - एक डाक्टर भी हर समय उपलब्ध रहेगा। जो लोगों के बुखार, खांसी, जुखाम आदि अन्य बीमारियों की मौके पर जांच कर निशुल्क दवाई उपलब्ध करवाएगा । उन्होंने कहा है कि लाडवा व बाबैन में रसोई निरंतर जारी रहेगी इसकी कोई लिमिट नहीं है । संदीप गर्ग द्वारा इस प्रकार के कराए जा रहे जनहित कार्यों से हल्का लाडवा की जनता बेहद खुश व प्रसन्न है । इस मौके पर सहयोग फाउडेशन संस्था के प्रधान अशोक सिंघल, मुलतानी धर्मशाला के प्रधान मनोज धवन, रविन्द्र कुमार व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। काविलेगौर है कि समाजसेवी संदीप गर्ग लाडवा की जनहित से जुडी इस कार्यशैली को क्षेत्र के लोग बहुत सराहनीय कदम बता रही है व संदीप गर्ग द्वारा हल्का लाडवा की जनता के हित में किए जा रहे कार्यों से हल्के में संदीप गर्ग चर्चा का विषय बने हुए है।

केयू के पंचवर्षीय विधि संस्थान के विद्यार्थियों ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता में मारी बाजी

विधि संस्थान के छात्र असीम गर्ग को मिला बेस्ट रिसर्चर का अवार्ड

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि संस्थान के विद्यार्थियों ने 6 व 7 मई को कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में संस्थान के छात्र असीम गर्ग को बेस्ट रिसर्चर का अवार्ड मिला।

वहीं 9 व 10 अप्रैल को श्रीमति कमलाबेन गंभीरचंद शाह लॉ कॉलेज, मुम्बई द्वारा आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में संस्थान के तृतीय वर्ष के छात्र दिव्यांश व ताजविन्द्र की टीम ने भाग लिया था जिसमें उन्होंने प्रथम रनरअप का स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की टीम विभिन्न स्तर को पार कर व कई टीम को पछाड़कर यह स्थान प्राप्त कर पाई।

इस मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ. राजपाल शर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता विद्यार्थियों में तर्क-वितर्क की कला को बढ़ाती हैं व विद्यार्थियों में बाले की कला और शोध कार्य विकसित करती है जो कि लॉ प्रोफेशन के लिए आवश्यक है।

मूट कोर्ट कमेटी की कन्वीनर डॉ. कृष्णा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रशंसा और हौसला अफजाई की।

इस मौके पर डॉ. संत लाल व डॉ. नीरज बातिश मौजूद रहे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें । किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

दिल्ली और पंजाब के बाद अब हरियाणा की जनता भी चाह रही है व्यवस्था परिवर्तन : रमेश गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन । पूर्व विधायक रमेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली और पंजाब के बाद अब हरियाणा की जनता भी व्यवस्था परिवर्तन चाहती है और व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रदेश की जनता आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। रमेश गुप्ता बाबैन में युवाओं व महिलाओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 29 मई को कुरुक्षेत्र में होने वाली रैली में लाडवा हल्के से भारी जनसैलाब उमडेगा और यह रैली प्रदेश की सत्ता में बदलाव लाने का काम करेगी।

उन्होंने बताया कि 29 मई की रैली के बाद हरियाणा की राजनीति में बदलाव साफ दिखाई देगा और यह रैली प्रदेश के इतिहास की सबसे ऐतिहासिक रैली साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस रैली को लेकर लाडवा हल्के के कार्यकर्त्ता कमर कस लें ताकि लाडवा हल्के की इस रैली में अहम भागेदारी रहे। उन्होंने भाजपा-जजपा सरकार की नई आबकारी नीति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार तो दे नहीं सकती, इसलिए अब युवाओं को नशे की ओर धकेलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा ही अब हरियाणा में व्यवस्था परिवर्तन का आगाज करेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त किया जाएगा। कांग्रेस में चल रहे घमासान को लेकर उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह हरियाणा में भी कांग्रेस खात्मे की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस का हरियाणा में अब जनाधार खत्म हो रहा है अब प्रदेश की जनता कांग्रेस को नकार चुकी है। जब कांग्रेस के नेताओं को ही एक दूसरे पर विश्वास नहीं है तो जनता उन पर कैसे विश्वास कर सकती है। इस मौके पर चरणजीत कौर, लवी बिदलान, सतीश कुमार, जरनैल मिस्त्री, जसमेर कसीथल, रीतु देवी, संगीता, महिला संगठन मत्री लखविंद्र कौर, सिंद्रपाल, चरणजीत, सरवजीत, रीना देवी, ब्लॉक अध्यक्ष गौरव व अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

गर्मी के मौसम में संभावित समस्याओं से बचने के लिए बरतें जरूरी एहतियात : डीसी पार्थ गुप्ता

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही जिला में तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। इससे गर्मियों में होने वाली परेशानियों का खतरा भी बढ़ गया है। गर्मियों में इन परेशानियों के साथ लोगों को डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, हीट स्ट्रोक जैसी समस्या हो सकती है। इससे बचाव को लेकर हमें विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि गर्म हवाएं व लू से शारीरिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे किसी व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। ऐसे में हरियाणा राज्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे बचाव के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि सभी जिलावासी अपने दैनिक कार्यक्रमों की सूची बनाने से पूर्व रेडियो, टीवी या अखबार के माध्यम से अपने स्थानीय मौसम की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें ताकि घर से बाहर निकलते समय गर्म हवाओं व लू के प्रकोप से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि सभी जिलावासी पर्याप्त मात्रा में जितनी बार संभव हो पानी पियें भले ही उन्हें प्यास ना लगी हो। इसके साथ ही जब भी धूप में घर से बाहर निकले तो हल्के रंगो के ढीले फिटिंग के तथा सूती कपड़े पहने व इसके साथ सूरक्षात्मक चश्में, छाता, पगड़ी, दुपट्टा, टोपी, जूते या चप्पलों का उपयोग करें। यात्रा के समय अपने साथ पानी अवश्य रखें।

डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि यदि आपका कार्यक्षेत्र इस प्रकार का है कि आपको धूप में कार्य करना है तो आप धूप से बचाव के लिए टोपी या छाते का उपयोग करें तथा अपने सिर, गर्दन व चेहरे पर नम कपड़ा जरूर रखें। इसके साथ-साथ शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनी रहे इसके लिए घर के बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि गर्मी के स्ट्रोक, गर्मी के दाने या गर्मी से ऐंठन जैसे कि कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, मितली और दौरे के लक्षणों को पहचाने यदि आप थकान व कमजोरी व बीमार जैसा महसूस कर रहें है तो तत्काल चिकित्सक से परामर्श करें।

उन्होंने कहा कि सभी जिलावासी अपने पालतू जानवरों को छाया में रखें और उन्हें निरंतर पीने का पर्याप्त पानी देते रहें। घर का तापमान रहने के योग्य बना रहे इसके लिए रात में घरों की खिड़कियां खुली रखें। जिला के सभी औद्योगिक संस्थाएं अपने कार्यक्षेत्र पर ठंडा पेयजल उपलब्ध करवाएं। इसके साथ ही प्रयास करें कि श्रमिकों को प्रत्यक्ष सूर्य के समक्ष होने वाले कार्यों से बचाया जा सके। मौसम में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए श्रमयुक्त कार्यों को दिन के ठंडे समय के दौरान करें व बाहरी गतिविधियों के दौरान आराम के समय में भी बढ़ोतरी करने के प्रयास करें। कार्यक्षेत्र पर गर्भवती मजदूरों का चिकित्सकीय परामर्श की स्थिति में अतिरिक्त ध्यान देना होगा। हम अक्सर अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां करते है जो बाद में परेशानी का सबब बनती है। ऐसे में गर्मी के मौसम में वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़े व कोशिश करें कि दिन में 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर जाने से बचा जा सके।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा भाजपा सरकार ने हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया : शिक्षा मंत्री

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । हरियाणा व्यापार कल्याण बोर्ड जिला यमुनानगर द्वारा व्यापारियों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम जगाधरी में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री कंवरपाल रहे उनके साथ भाजपा विधायक घनश्यामदास अरोड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, नगर निगम मेयर मदन चौहान, हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रामनिवास गर्ग, जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण शर्मा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग, कुनाल भारद्वाज, जेजेपी जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह, जेजेपी के जिला मीडिया प्रभारी ओपी लाठर मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हर जाति हर वर्ग को साथ लेकर चल रहे हैं फिर चाहे वह किसान हो, मजदूर हो, युवा हो, व्यापारी हो, महिलाएं आदि सभी को लेकर एक समान विकास कार्यक्रम कर रहे है, उसी के अंतर्गत हरियाणा के प्रत्येक जिले में हरियाणा व्यापार कल्याण बोर्ड के जिला स्तर का गठन किया गया है जिला यमुनानगर में अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी मनोज गुप्ता को दी गई है। उन्होंने कहा कि व्यापारी भाई खुलकर अपनी समस्याएं हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के प्रधान उसके सदस्यों के समक्ष रख सकते है उन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करके व्यापारी भाइयों को राहत पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता व उनकी जिला कार्यकारिणी को सम्मानित किया।

विधायक घनश्यामदास अरोड़ा ने कहा कि यमुनानगर व जगाधरी औद्योगिक शहर है और यहां पर व्यापारी भाइयों को ज्यादा से ज्यादा सहुलतें भाजपा सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है फिर भी अगर व्यापारी भाइयों को लगता है कि कोई समस्या है तो बता सकते हैं उनका तुरंत समाधान होगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि भाजपा सरकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में भाजपा सरकार सराहनीय कार्य कर रही है मुख्यमंत्री मनोहर लाल पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी से सरकार को चला रहे हैं, नौकरियों को मेरिट पर दिया जा रहा है।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रामनिवास गर्ग ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को जिला अध्यक्ष व सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि वह सभी दी गई जिम्मेवारी को पूरा करेंगे ऐसा विश्वास है। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड जिला यमुनानगर के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए कहा कि हरियाणा व्यापार कल्याण बोर्ड व्यापारियों के लिए कार्य करेगा और उसके लिए चाहे उन्हें किसी भी अधिकारी, विधायक या मंत्री से सम्पर्क करके समस्याओं को हल किया जाएगा।

इस दौरान प्रधान मनोज गुप्ता, सतीश चौपाल, सजल जैन, प्रवीण गांधी, सचदेव चुग, मंगत ओबरॉय, राजेश मस्करा, डॉ. डीसी गर्ग, देवेंद्र बंसल, गौरव कंबोज, गौरव गर्ग, जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कपिल मनीष गर्ग साथ रहें।

बरसाती पानी के संचय के लिए बनाया जाएगा तालाब जरूरत के समय सिंचाई के कार्य में लाया जाएगा काम : अनीश यादव

गजब हरियाणा न्यूज/नरेन्द्र धुमसी

करनाल । आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम को प्रभावशाली तरीके से लागू करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। इसको लेकर पंचायती 10 एकड़ कृषि भूमि में से कम से कम 1 एकड़ भूमि को जल संरक्षण के लिए रिक्त रखें ताकि उसमें तालाब बनाकर बरसाती पानी को इकट्ठा किया जा सके और इसके बाद उसे सिंचाई के कार्य में प्रयोग किया जा सके। इस बारे शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त अनीश यादव मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे किसानों को परम्परागत फसलों की बजाए पानी की कम लागत वाली फसलों के उत्पादन करने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनकी आमदनी भी बढ़े और भूमिगत जल को भी बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के बारे में जागरूक करें ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल को बचाया जा सके। अभी समय है, अपने क्षेत्र के लोगों को पानी को व्यर्थ में बहाने की बजाए उसे आवश्यकता अनुसार प्रयोग में लाने के लिए जागरूक करें।

बैठक में कृषि विभाग के उप निदेशक डा. आदित्य प्रताप डबास ने बताया कि मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम के तहत जो किसान धान की फसल छोड़कर पानी को कम लागत वाली फसल को बिजाई जैसे मक्का फसल उत्पादन करने पर विभाग की तरफ से 7 हजार रूपये प्रति एकड़ की सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग की तरफ से मक्का फसल की बिजाई के लिए किसानों को पहले आओ-पहले पाओ आधार पर निशुल्क मक्का बिजाई मशीन उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने मक्का की बिजाई के लिए जिला में 3 हजार एकड़ भूमि का लक्ष्य रखा गया है जिसे हरसंभव पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मक्का फसल का भाव अन्य प्रदेशों की बजाए हरियाणा में अधिक है। किसानों को चाहिए कि वह इस स्कीम का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

दिनेश बडगुर्जर व दीपक कमोदा ने बेसमेंट के निर्माण में 51 हजार रुए दान दिए बेसमेंट के निर्माण में सहयोग के लिए आगे आएं दानी सज्जन : सुरजभान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के बेसमेंट का कार्य शुरू होते ही निर्माण में सहयोग देने वाले दानी सज्जन आगे आने लगे हैं। समाजसेवी दिनेश बडगुर्जर व दीपक कमोदा ने बेसमेंट कार्य में निर्माण सहयोग के लिए 51 हजार की राशि श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के प्रधान सूरजभान नरवाल को सौंपी।

दिनेश बडगुर्जर व दीपक कमोदा का कहना है कि उनकी ओर से श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में बन रही बेसमेंट के लिए यह मामूली सहयोग है। उनका प्रयास है कि जो कार्य मंदिर कमेटी ने शुरू किया है, उसमें अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग देने का काम किया जाए। श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के प्रधान सूरजभान नरवाल ने दीपक कमोदा व दिनेश बडगुर्जर बेसमेंट के कार्य में दिए गए इस आर्थिक सहयोग का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें आर्थिक सहयोग देकर मंदिर के प्रति अपनी आस्था प्रकट की है। समाज के दूसरे लोगों को भी उनसे प्रेरणा लेकर आगे आकर बेसमेंट के निर्माण कार्यों में आर्थिक सहयोग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य समाज के सभी लोगों के सहयोग से हो पूरा होगा, क्योंकि बेसमेंट के निर्माण पर करोड़ों रुपए की राशि खर्च होगी। बेसमेंट के निर्माण के लिए श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य भी प्रयास कर बेसमेंट निर्माण के लिए पैसे जुटाने का काम करेंगे। इस मौके पर श्री गुरु रविदास मंदिर कमेटी के प्रधान सूरजभान नरवाल, कोपाध्यक्ष रामस्वरूप ढांडा, सचिव ओम प्रकाश तंवर व अन्य पदाधिकारियों ने दिनेश बडगुर्जर और दीपक कमोदा को सरोपा भेट कर स्वागत दिया। इस अवमर पर पूर्व सरपंच श्याम लाल, राजेश राठी हिसार व अन्य मौजूद रहे।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने खुद एलबेंडाजोल की गोली चबाकर किया अभियान का आगाज

राष्ट्रीय कृमि दिवस के अभियान में 3 लाख 5 हजार 223 बच्चों और महिलाओं को एलबेंडाजोल गोली खिलाने का लक्ष्य

***23 से 26 मई और 27 से 29 मई को चलेगा विशेष अभियान**
***कुरुक्षेत्र को एनीमिया मुक्त जिला बनाने के करने है प्रयास**
***लघु सचिवालय में लगेगा विशेष बूस्टर शिविर**

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त मुकुल कुमार ने खुद एलबेंडाजोल की गोली चबाकर 23 से 26 मई और 27 से 29 मई तक चलने वाले राष्ट्रीय कृमि दिवस के अभियान का आगाज किया। इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 1 से 19 साल के 2 लाख 90 हजार 335 बच्चों और 20 से 24 साल की 14 हजार 888 महिलाओं सहित कुल 3 लाख 5 हजार 223 बच्चों और महिलाओं को एल्बेंडाजोल की गोली दी जाएगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पूरी मुस्तैदी और ईमानदारी के साथ अभियान को सफल बनाने के आदेश दिए गए है।

उपायुक्त मुकुल कुमार शुक्रवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति व माप अप दिवस को लेकर स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 23 से 26 मई को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस तथा 27 से 29 मई को मॉप अप दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दिन 1 से 19 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को कृमि मुक्त करने के लिए एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को खाली पेट गोली न खिलाई जाए ताकि उन्हें उल्टी जैसी समस्या का सामना न करना पड़े। इस अभियान के लिए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इसे सफल बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम हर 6 महीने में आयोजित किया जाता है। एक से दो वर्ष तक के बच्चों को आधी गोली खिलाए तथा 2 से 19 वर्ष तक के बच्चों को पूरी गोली खिलाए। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा कि यह एलबेंडाजोल की गोली बच्चे चबाकर खाएं, इस बात का पूरा ध्यान रखना है तथा 1 से 2 वर्ष तक के बच्चों को यह एलबेंडाजोल की आधी गोली पीसकर खिलाए ताकि कोई समस्या न आए। उन्होंने बताया कि यह एलबेंडाजोल की गोली जिले में करीब 3 लाख 5 हजार बच्चों को 223 स्कूलों में खिलाई जाएगी। डीसी ने कहा कि इस विषय में किसी प्रकार की कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि जो बच्चे 23 मई को एल्बेंडाजोल की गोली खाने से रह जाएंगे, उन्हें 27 मई को माप अप दिवस पर एलबेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी।

सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से 18 टीमें बनाई गई है तथा सभी को विस्तार से बताया गया है कि बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली किस प्रकार से खिलानी है। उन्होंने एलबेंडाजोल की गोली खिलाने के लिए शिक्षा व महिला एवं बाल विकास की आंगनवाड़ी वर्कर तथा स्कूल के अध्यापकों को सहयोग की अपील की। इस मौके पर नगराधीश चंद्रकांत कटारिया, जिला शिक्षा अधिकारी अरूण आश्री, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सतनाम भट्टी, डिप्टी सीएमओ डा. अनुपमा सिंह, डा. संदीप अग्रवाल, डा. कृष्ण दत्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कुरुक्षेत्र को एनीमिया फ्री जिला बनाने के लिए लोगों को बदलनी होगी मानसकिता

उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के साथ-साथ कुरुक्षेत्र को एनीमिया फ्री बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा और इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से विशेष अभियान भी चलाना होगा। अगर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से प्रस्तुत किए गए आंकड़ों पर नजर डाले तो अब भी बच्चों और महिलाओं में खून की कमी पाई गई है। इसलिए बच्चों और महिलाओं में खून की कमी को दूर करने के लिए सबसे पहले लोगों को अपनी दिनचर्या और खानपान में बदलाव लाना होगा।

लघु सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग को दिए बूस्टर शिविर लगाने के आदेश

उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि कोरोना का प्रभाव अभी गया नहीं है इसलिए अभी भी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। इस महामारी से बचने के लिए सबसे पहले अपने टीके का कोर्स पूरा करे और दोनों टीके लगवाने के 9 महीने के बाद बूस्टर डोज लगवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी सप्ताह में लघु सचिवालय में बूस्टर डोज लगाने के लिए विशेष शिविर लगाया जाए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि जल्द से जल्द बूस्टर डोज लगवाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा राजकीय और निजी स्कूलों में विशेष शिविर लगाकर टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाया जाए और 12 से 16 साल के विद्यार्थियों को भी कोरोना बचाव का वैक्सीन लगाया जाए।

बुजुर्गों का तिरस्कार करने वाली संतान पर कटाक्ष कर गया नाटक चीफ की दावत

विकास शर्मा के नाटक चीफ की दावत में दिखी बूढ़ी मां की बेबसी

बच्चों के रुखेपन के कारण तड़पती मां की कहानी 'चीफ की दावत' का हुआ मंचन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, अपनी संतान द्वारा तिरस्कृत और मानसिक पीड़ा झेलने वाले बुजुर्गों की दयनीय दशा पर हिंदी के कई कहानीकारों ने अपनी लेखनी चलाई है। भीष्म साहनी की कहानी चीफ की दावत भी इसी कड़ी की एक संवेदनशील रचना है। आज के इस उपभोक्तावादी युग में अधिकाधिक धन, यश, आराम आदि ही जीवन का चरम लक्ष्य माना जाता है। ऐसी हालत में पारीवारिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं और मां-बाप अपनी संतान द्वारा उपेक्षित हो जाते हैं। चीफ की दावत मौजूदा समाज का ही आईना है। ये कहना था हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन का। हरियाणा कला परिषद द्वारा मार्च से प्रारम्भ नाट्य मेला के अंतिम सप्ताह में कहानी मंचन चीफ की दावत के दौरान उन्होंने अपने विचार सांझा किए। न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत तथा भीष्म साहनी द्वारा लिखित कहानी चीफ की दावत का निर्देशन रंगकर्मी विकास शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर हरियाणा कला परिषद के अतिरिक्त निदेशक महाबीर गुड्डू, संस्कार भारती कुरुक्षेत्र की अध्यक्षा किरण गर्ग, शिवकुमार किरमच, नरेश गर्ग आदि उपस्थित रहे।

नाटक में आधुनिकता के रंग में डूबकर अपने माता-पिता का तिरस्कार करने वाले बच्चों के ऊपर करारा कटाक्ष किया गया। सूत्रधार के माध्यम से शुरु हुई नाटक की कहानी शामनाथ के इर्दगिर्द घूमती है, जहां अपने बॉस को खुश करने के लिए शामनाथ उन्हें घर पर दावत के लिए आमंत्रित करता है। लेकिन अपनी मां के अनपढ़ व गांव की होने के कारण उसे बॉस के सामने आने से मना कर देता है। मां दावत के लिए अपनी सहेली के घर जाने की बात करती है तो बेटा घर से बाहर जाने से मना कर देता है। बेटे के तिरस्कार और बहू की डांट के आगे मां कुछ नही बोल पाती। घर में शामनाथ के बॉस आ जाते हैं। शामनाथ तरक्की पाने की चाह में अपने चीफ को खुश करने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ता। मंहगी व्हीस्की और बढ़िया डिनर होने के बाद जब कहानी जब आगे बढ़ती है तो अचानक बॉस की नजर शामनाथ की मां पर पड़ती है। शामनाथ से बॉस जब बूढ़ी औरत के बारे में पूछते हैं तो शामनाथ बताता है कि वह उसकी मां, अनपढ़ और गांव की होने के कारण मां सबके सामने नहीं आना चाहती थी। मां को देखकर चीफ बहुत खुश होते हैं, और मां से ढ़ेर सारी बातें करते हैं। मां का बॉस से मिलना शामनाथ की तरक्की में सहायक सिद्ध होता है। बॉस मां को एक फुलकारी बनाने को कहते हैं, मां के मना करने पर भी शामनाथ फुलकारी के लिए हां कर देता है। लेकिन जब बॉस के जाने के बाद मां मना करती है, तो शामनाथ मां को फटकार लगाता है और बुरा भला कहना शुरु कर देता है। ऐसे में मां अकेली पड़ जाती है और बेटे के तिरस्कार से आहत होकर अपने प्राण छोड़ देती है। सूत्रधार कहानी का मूल अंत दिखाने के बाद दर्शकों से रुबरु होकर एक और अंत दिखाता है जिसमें शामनाथ को अपने किए पर शर्मिंदगी होती है, और वह मां से माफी मांगता है। मां अपने बेटे और बहू को माफ कर देती है और इस प्रकार नाटक का सुखद अंत होता है। चीफ की दावत में मां की भूमिका में राजकुमारी शर्मा और बेटे शामनाथ की भूमिका में आश्रय शर्मा ने अपने अभिनय कौशल दिखाए। सूत्रधार स्वयं नाटक निर्देशक विकास शर्मा रहे। वहीं शामनाथ की पत्नी निशा के किरदार में पारुल कौशिक, चीफ शुभम सहरावत, श्रीमती बॉस शायना जग्गा, नौकर जैकी शर्मा रहे। सहायक कलाकारों में बबनदीप, तुषार, चंचल शर्मा, पार्थ, सुग्रीव समीर मैहरा रहे। संगीत आकाशदीप ने दिया तथा प्रकाश व्यवस्था मनीष डोगरा ने सम्भाली। अंत में संजय भसीन ने नाटक के संदर्भ में अपने विचार रखते हुए कहा कि आज के समाज में अधिकतर घरों में मां-बाप का तिरस्कार हो रहा है। ऐसे में बच्चों को नाटक चीफ की दावत से मां बाप को अनदेखा ना करने की सीख मिलती है। वहीं संजय भसीन ने हरियाणा कला परिषद के माध्यम से मई माह में दो नाटक प्रारम्भ करने की भी घोषणा की, जिसके लिए प्रदेश के रंगकर्मियों को भी आमंत्रित किया गया।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Number: HAR/HIN/2018/77311